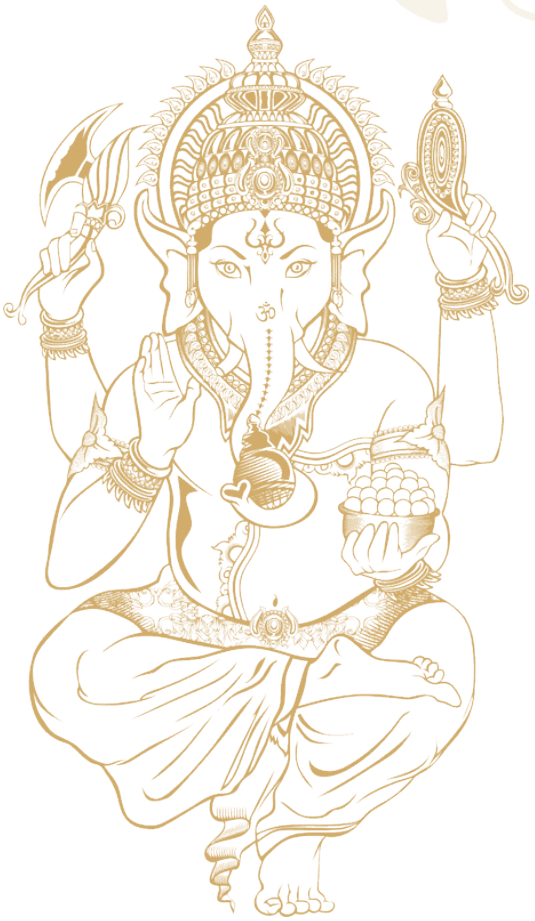

Mr. Shriyank

Miss aashi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119298916

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/03/1995	जन्म तिथि	05/01/1998
शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 17:17:00	जन्म समय	16:15:50 घंटे
घटी 27:49:40	जन्म समय(घटी)	23:29:55 घटी
India	देश	India
Katni	स्थान	Jaipur Rly Station
23:47:00 उत्तर	अक्षांश	26:54:00 उत्तर
80:29:00 पूर्व	रेखांश	75:48:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:08:04	स्थानिक संस्कार	-00:26:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:09:07	सूर्योदय	07:16:57
18:20:20	सूर्यास्त	17:47:27
23:47:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:41

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 12वर्ष 10मा 24दि		25:53:37	सिंह	लग्न	मिथु	01:20:29	बुध 13वर्ष 10मा 5दि	
मंगल		09:34:42	मीन	सूर्य	धनु	21:03:51	शुक्र	
16/02/2024		18:03:57	धनु	चंद्र	मीन	19:08:19	11/11/2018	
16/02/2031		19:22:20	कर्क व	मंगल	मक	20:26:28	11/11/2038	
मंगल	15/07/2024	20:53:53	कुंभ	बुध	वृश्चि	28:06:49	शुक्र	12/03/2022
राहु	02/08/2025	21:29:21	वृश्चि	गुरु	मक	29:21:29	सूर्य	13/03/2023
गुरु	09/07/2026	01:45:16	कुंभ	शुक्र व	मक	08:13:36	चन्द्र	10/11/2024
शनि	18/08/2027	23:27:44	कुंभ	शनि	मीन	20:04:18	मंगल	11/01/2026
बुध	14/08/2028	12:16:05	तुला व	राहु	सिंह	18:26:33	राहु	10/01/2029
केतु	10/01/2029	12:16:05	मेष व	केतु	कुंभ	18:26:33	गुरु	11/09/2031
शुक्र	12/03/2030	05:57:40	मक	हर्ष	मक	13:32:01	शनि	11/11/2034
सूर्य	18/07/2030	01:25:58	मक	नेप	मक	05:16:42	बुध	11/09/2037
चन्द्र	16/02/2031	06:41:39	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	13:05:06	केतु	11/11/2038

लग्न-चलित

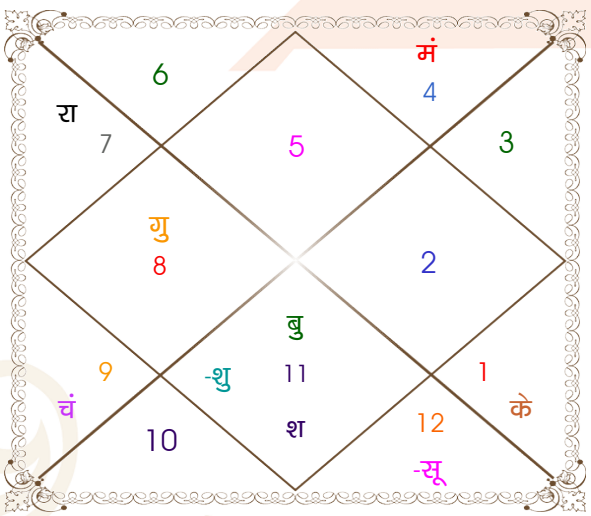

लग्न-चलित

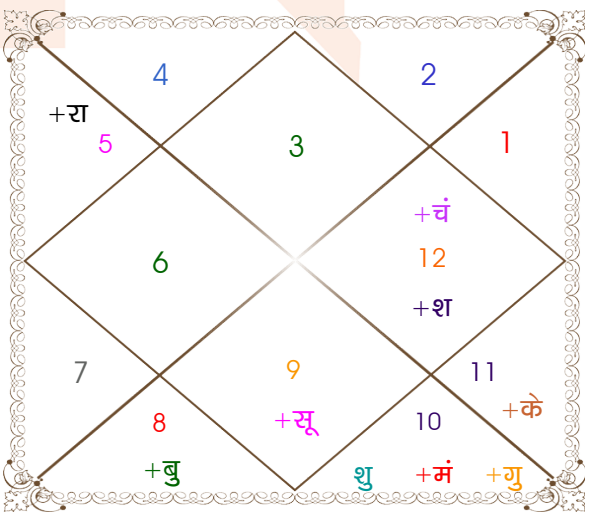

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

Mr. Shriyank का वर्ग सर्प है तथा डपे`ीप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. Shriyank और डपे`ीप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. Shriyank मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. Shriyank कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. Shriyank कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डपे`ीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डपें ीप कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु डपें ीप कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डपें ीप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. Shriyank कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. Shriyank तथा डपें ीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।